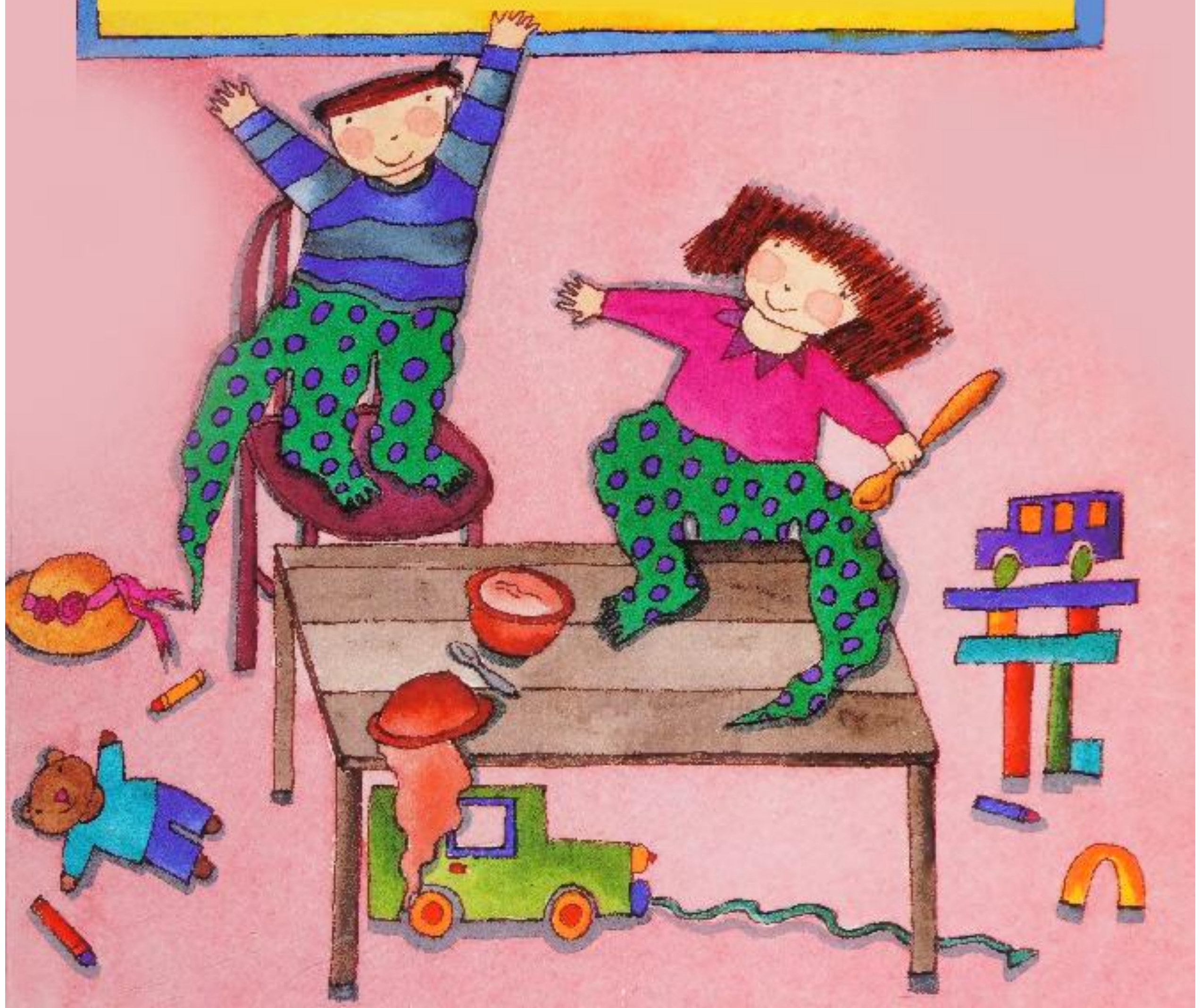
आधे जंगली, आधे बच्चे

लिज़ी बोयड, हिंदी: आरती जैन



मैडी और निक एक गुप्त जादू जानते हैं। कभी-कभी, जब उनके माता-पिता उनसे कहते हैं कि "अपने दाँत ब्रश करो" या "अपना कमरा साफ करो", तो वे ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने लगते हैं— "नहीं, नहीं, नहीं!" और अपने पैर पटकते हैं, जब तक कि वे आधे जंगली और आधे बच्चे नहीं बन जाते। उनके माता-पिता को यह बिल्कुल भी पसंद नहीं है। और एक रात, जब वे बहुत ज़्यादा शरारत करते हैं, तो उनका जंगली हिस्सा वापस जाने का नाम ही नहीं लेता।





आधे जंगली, आधे बच्चे

लिज़ी बोयड, हिंदी: आरती जैन



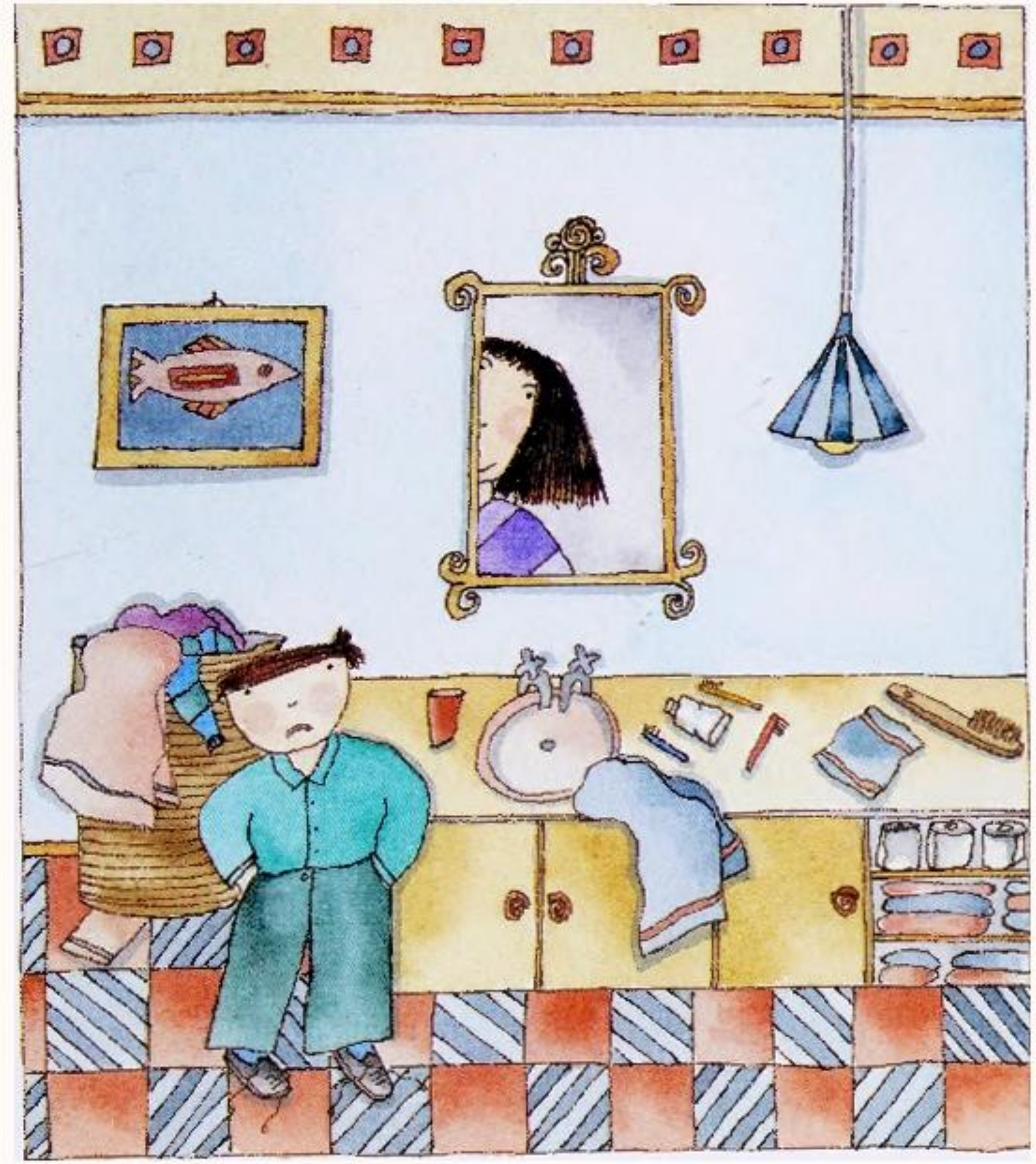


घर से बाहर, मैडी और निक लगभग कभी “नहीं” नहीं कहते।

वे कहते हैं— “ओह हाँ, हमें और आइसक्रीम चाहिए!” या “हाँ, हम फिर से आना चाहेंगे। धन्यवाद!”



लेकिन घर पर, जब माँ कहती हैं, “मैडी, कृपया अपने बाल संवार लो। हम चोटी बनाएँगे,” तो मैडी चिल्लाती है— “नहीं, नहीं, नहीं! मुझे अपने उलझे हुए, जंगली बाल ही पसंद हैं!”



और जब माँ कहती हैं, “निक, कृपया अपने दाँत ब्रश करो,” तो निक चिल्लाता है— “नहीं, नहीं, नहीं! मुझे अपने गंदे हरे दाँत ही पसंद हैं!”



या अगर पिता कहते हैं, "मैडी, निक, अब समय है अपना कमरा साफ करने का," तो दोनों मिलकर चिल्लाते हैं— "नहीं, नहीं, नहीं! हमें अपना कमरा ऐसा ही पसंद है!"



एक दिन पिता कहते हैं, "अब चिल्लाना और शोर मचाना बंद करो। अपने कमरे में जाओ। मैं चाहता हूँ कि तुम 'नहीं' की जगह 'हाँ' कहना सीखो।"

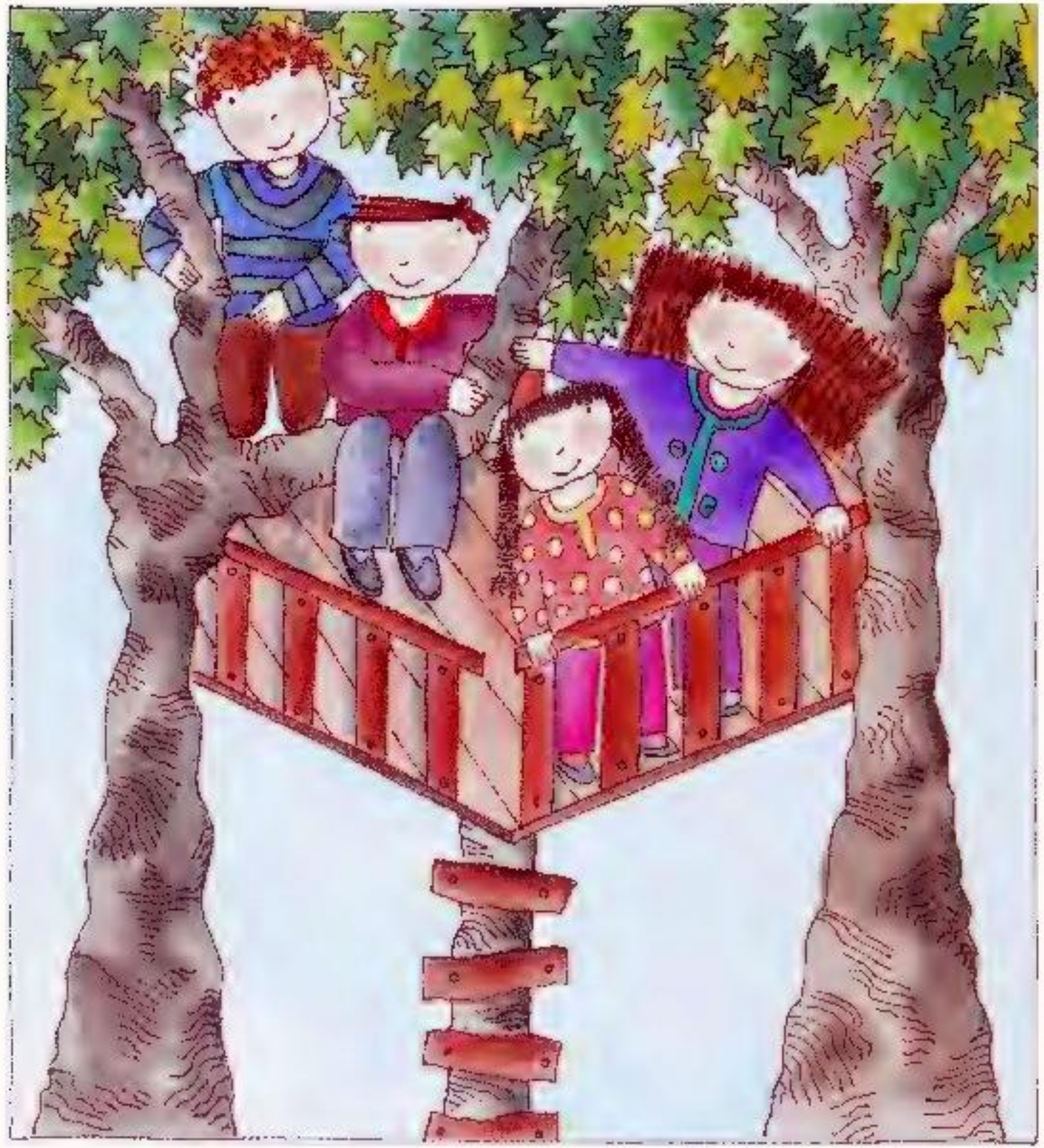


मैडी और निक को यह बिल्कुल पसंद नहीं आता। वे ज़ोर से दरवाज़ा पटकते हैं और अपने पैर पटकते हैं। दोनों मिलकर गाने लगते हैं– “नहीं, नहीं, नहीं!” और तभी, उनके पैर बैंगनी और हरे धब्बों वाले हो जाते हैं, और उनके साथ पूँछ भी उग आती है! वे कमरे में इधर-उधर दौड़ते हुए आधे जंगली और आधे बच्चे बन जाते हैं।



कुछ देर बाद माँ ऊपर से आवाज़ लगाती हैं, “वहाँ बहुत शोर हो रहा है। बेहतर होगा कि तुम बाहर जाकर अपने दोस्तों के साथ खेलो।” मैडी और निक को यह बात अच्छी लगती है। वे चिल्लाते हैं– “हाँ, हाँ, हाँ!” वे नीचे आते हैं, और माँ को अलविदा कहते समय फिर से पूरी तरह बच्चे बन जाते हैं।





अपने दोस्तों के साथ, मैडी और निक लगभग हमेशा “हाँ” कहते हैं। “ओह हाँ, चलो आँख-मिचौली खेलते हैं!” या “हाँ, हाँ, चलो ट्री हाउस में चलते हैं!”

लेकिन खाने के समय, जब पिता कहते हैं, “निक, कृपया नैपकिन का इस्तेमाल करो,” तो वह चिल्लाता है—“नहीं, नहीं, नहीं! यह तो दूध की मूंछ है!” और जब पिता कहते हैं, “मैडी, कृपया अपनी कोहनियाँ मेज़ से हटाओ,” तो वह चिल्लाती है—“नहीं, नहीं, नहीं! मेरी कोहनियों को यहीं रहना अच्छा लगता है!”

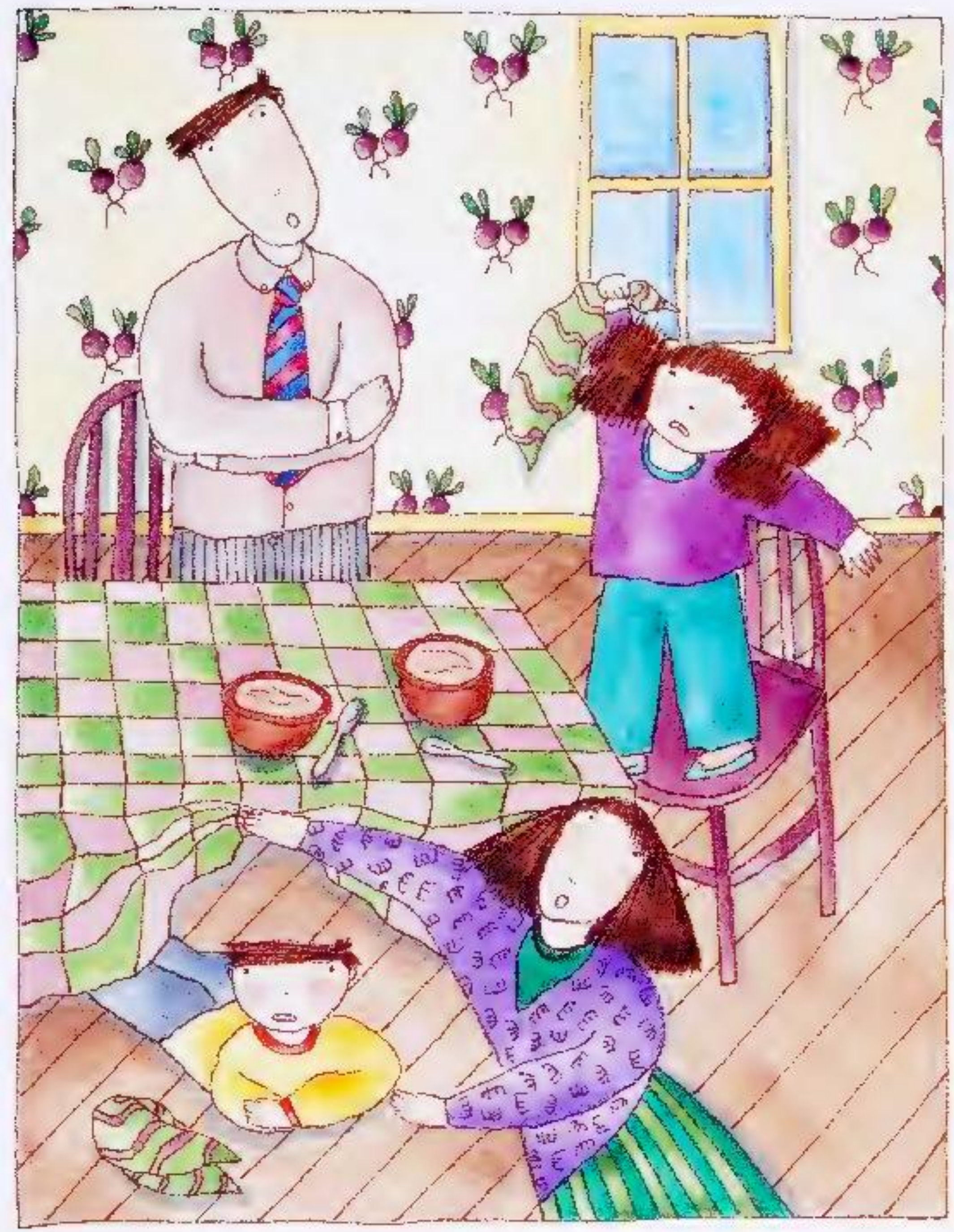


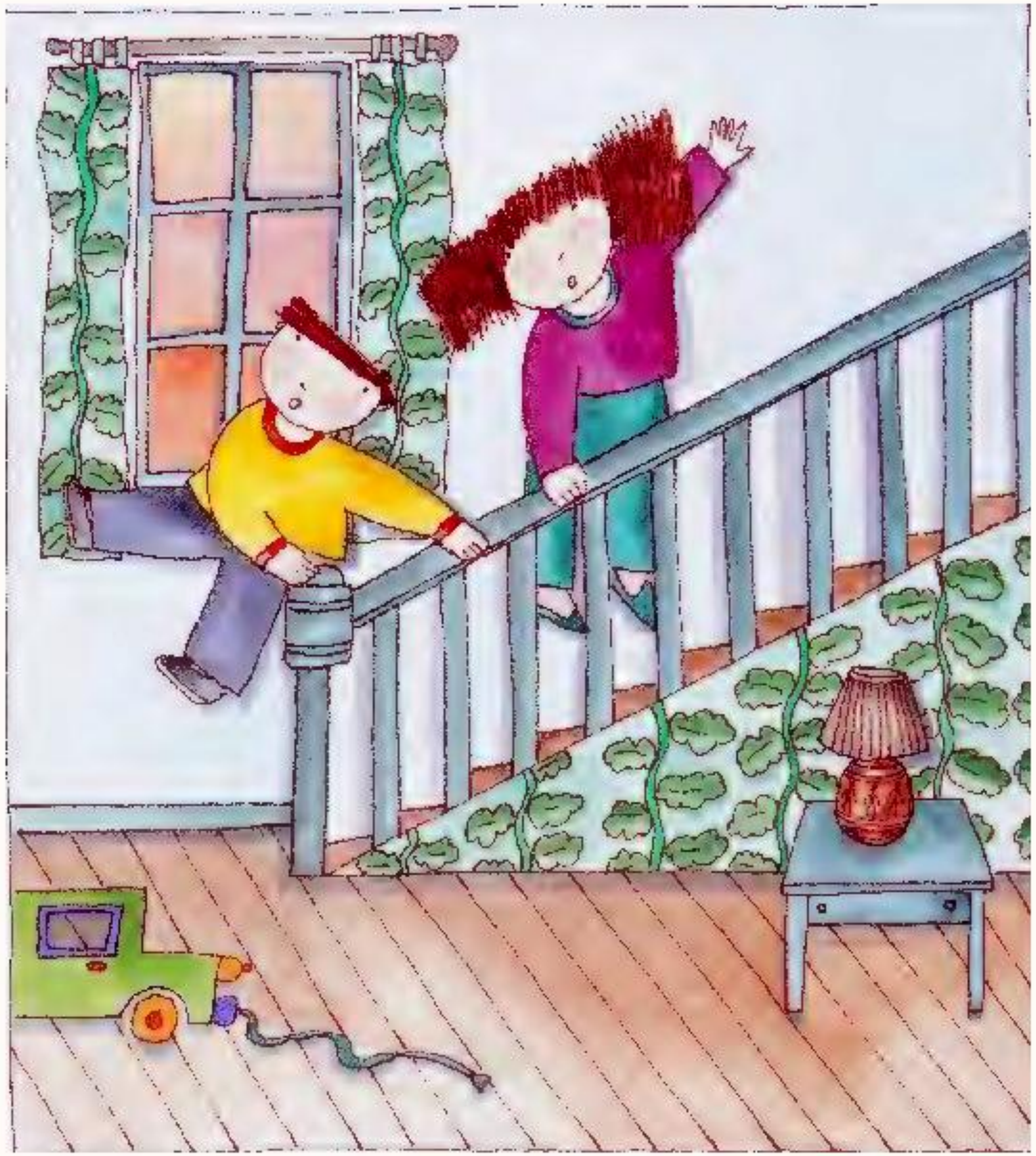
माँ और पिता बहुत चिंतित हो जाते हैं। उन्हें यह चिल्लाना और शोर बिल्कुल पसंद नहीं है। वे शांति से भोजन करना चाहते हैं। वे अपने बच्चों से बहुत प्यार करते हैं, लेकिन वे नहीं चाहते कि वे आधे जंगली बन जाएँ।

तब पिता कहते हैं, “कृपया अपना सूप खत्म करो, फिर हम नहाने जाएँगे।” लेकिन दोनों मिलकर चिल्लाते हैं—“नहीं, नहीं, नहीं! आप ही सूप खाइए! हम नहीं नहाएँगे!”

तब पिता कहते हैं, “तो फिर तुम सुबह नाश्ते में ठंडा सूप खाओगे। आज रात तुम खुद ही सोने जाओगे। कोई कहानी नहीं सुनाई जाएगी। हम अब और ‘नहीं’ नहीं सुन सकते। शुभ रात्रि।”







लेकिन मैडी और निक को जैसे कोई फर्क ही नहीं पड़ता। वे ऊपर जाते हुए भी चिल्लाते और शोर मचाते रहते हैं। वे दरवाज़ा पटकते हैं और ज़ोर-ज़ोर से पैर पटकते हैं।



“नहीं, नहीं, नहीं! हम कभी सोने नहीं जाएँगे!” ऐसा गाते हुए, उनके पैर फिर से बैंगनी और हरे धब्बों वाले हो जाते हैं, और उनके साथ पूँछ भी उग आती है! और जब माँ और पिता सो जाते हैं, तो वे चुपके से नीचे आ जाते हैं।



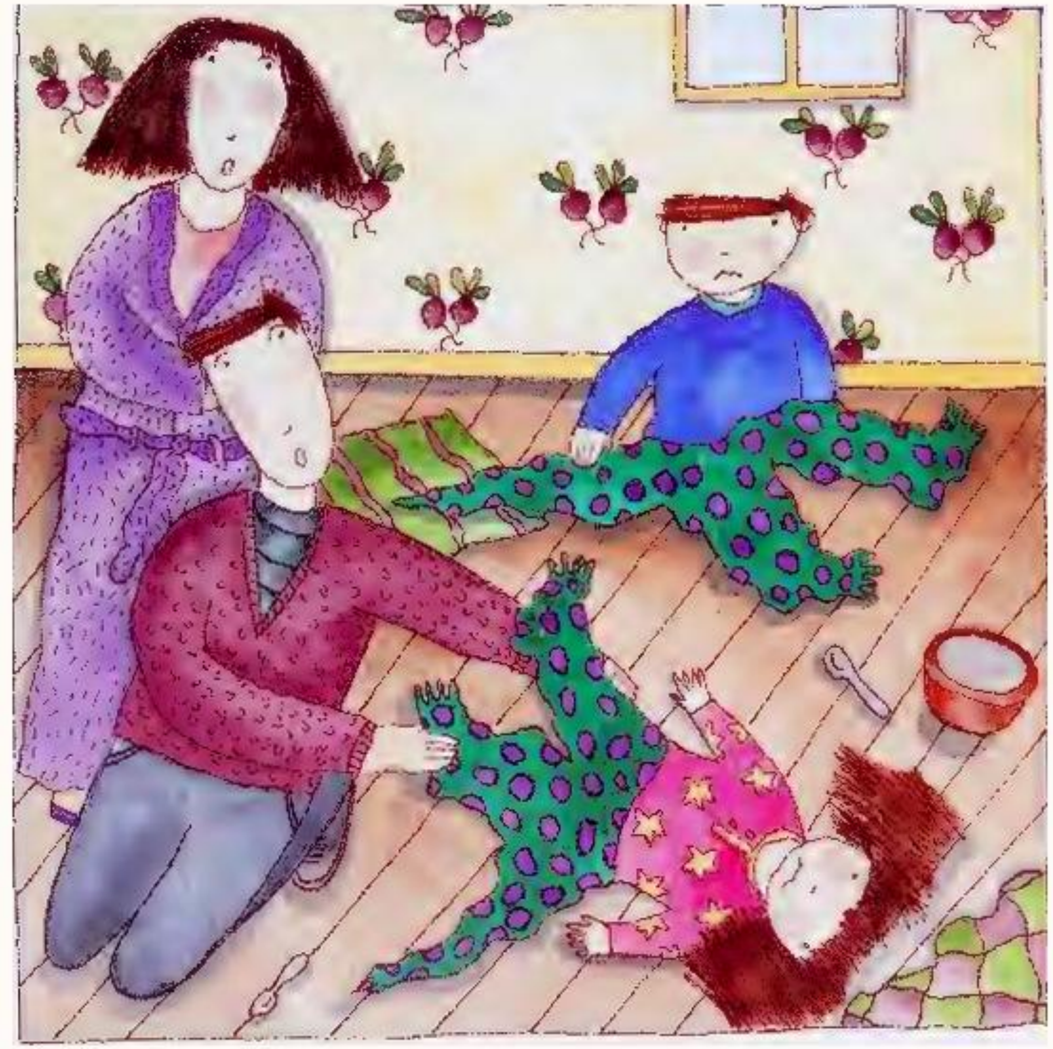


पूरी रात, मैडी और निक आधे जंगली और आधे बच्चे बने रहते हैं। वे घर में उधम मचाते हैं— फर्नीचर उल्टा-पुल्टा कर देते हैं,

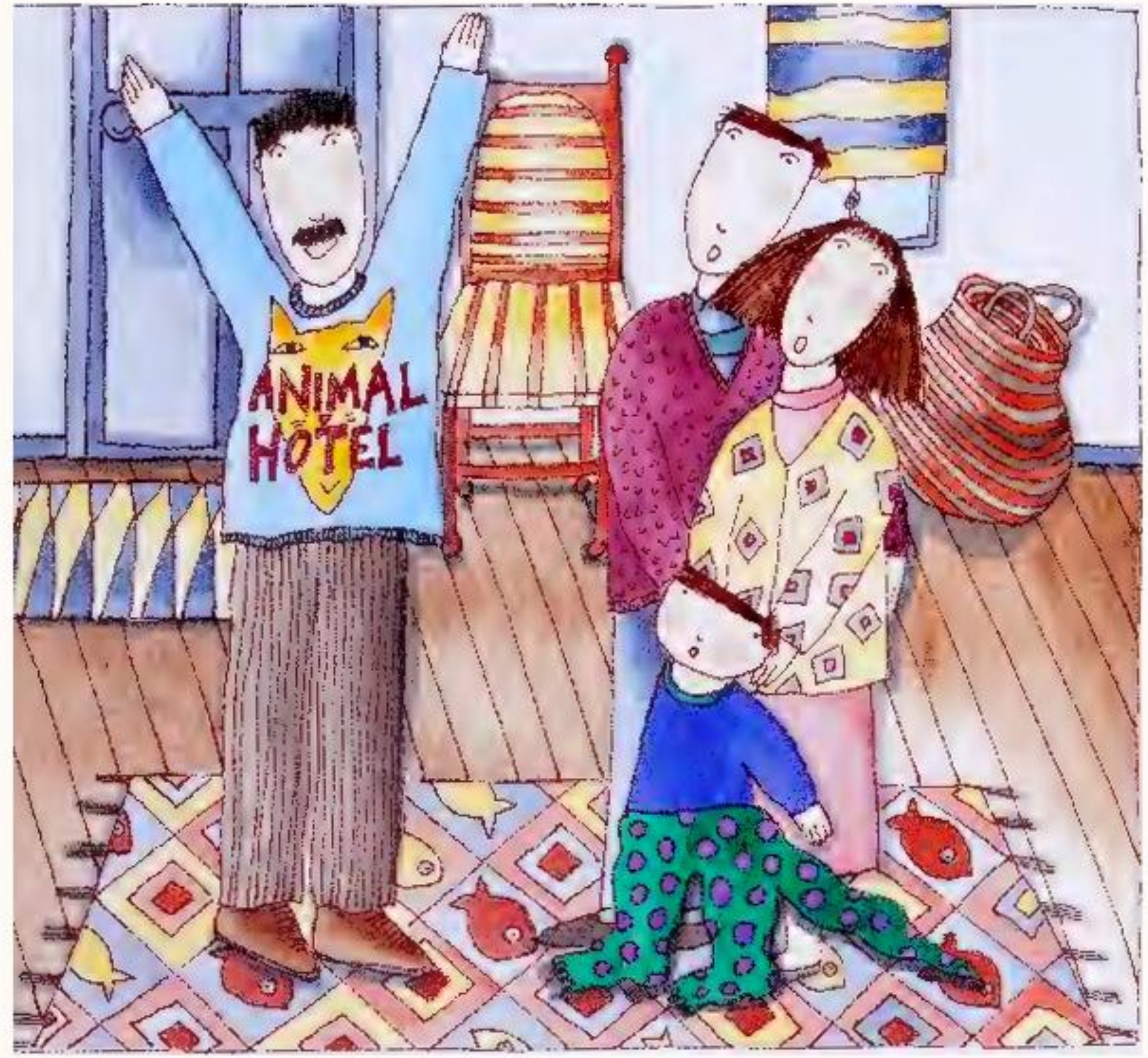
हर चीज़ पर चढ़ जाते हैं, और पूरे घर को अस्त-व्यस्त कर देते हैं।



सुबह, माँ और पिता जागते हैं और देखते हैं कि मैडी और निक अभी भी जाग रहे हैं। वे अब भी आधे जंगली और आधे बच्चे बने हुए हैं।



पिता कहते हैं, "अब समय है फिर से बच्चे बनने का।" मैडी रोते हुए कहती है– "कृपया हमारी मदद कीजिए। हमारा जंगली हिस्सा जा ही नहीं रहा है। शायद आप इसे खींचकर अलग कर सकते हैं!" लेकिन वे चाहे जितनी कोशिश करें– खींचें या जोर लगाएँ–मैडी और निक का जंगली हिस्सा अलग नहीं होता। वे उसी तरह फँसे रहते हैं।





माँ और पिता बच्चे वाले हिस्से के लिए डॉक्टर को बुलाते हैं और जंगली हिस्से के लिए पशु-चिकित्सक (वेट) को बुलाते हैं। सबसे पहले डॉक्टर आता है। वह जंगली हिस्से को ध्यान से देखता है, डॉक्टर माता-पिता से कहता है— "इन्हें बिस्तर पर ही रहने दीजिए। इन्हें हल्की चाय और सूखी टोस्ट खिलाइए।" डॉक्टर काफी चिंतित दिखाई देता है।

फिर पशु-चिकित्सक आता है। वह बहुत उत्साहित होता है। वह माँ और पिता से कहता है— "जब ये पूरी तरह जंगली बन जाएँगे—और ऐसा होना निश्चित है—तो ये हमारे साथ 'एनिमल होटल' में रह सकते हैं!"



माँ और पिता को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आती। वे डॉक्टर की सलाह मानते हैं। माँ, मैडी और निक को बिस्तर पर लिटा देती हैं और उन्हें हल्की चाय और सूखी टोस्ट देती हैं। लेकिन उसका स्वाद बिल्कुल अच्छा नहीं लगता।

अंधेरे कमरे में, मैडी एक कुर्सी पर चढ़ती है और आईने में खुद को देखती है। वह कहती है– "निक, मुझे लगता है कि हमारा जंगली हिस्सा जल्दी ही चला जाएगा।" लेकिन निक ऊपर देखता है और रोते हुए कहता है–"मैडी, अब तो हम पहले से भी ज़्यादा जंगली हो गए हैं!"







फिर मैडी अपने बिस्तर पर लेट जाती है और सोचने लगती है कि अगर वे ‘एनिमल होटल’ में रहने लगें तो कैसा होगा। वह पूछती है– “निक, क्या बहुत सारे जानवरों के साथ रहना और दिन-रात वहाँ घूमना मज़ेदार होगा?”



लेकिन निक बड़बड़ाता है–“मैडी, हम न तो भौंकते हैं और न ही गुर्राते हैं। मैं हड्डियाँ नहीं खाना चाहता! मैं फर्श पर नहीं सोना चाहता। मैं बाहर जाकर अपने दोस्तों के साथ खेलना चाहता हूँ!” और यह कहकर निक रोने लगता है।



मैडी उसके बिस्तर में जाकर उसके पास लेट जाती है और उसे गले लगा लेती है। वह कहती है– "मुझे पता है, निक। चलो उन सभी चीज़ों के बारे में सोचते हैं जो हमें 'हाँ' कहने पर मजबूर करती हैं। शायद हम फिर से पूरी तरह बच्चे बन जाएँ।"

निक कहना शुरू करता है– "मुझे ट्री हाउस पसंद है, मेरे ट्रक पसंद हैं, और मिट्टी में खेलना भी! मुझे कूदना-फाँदना और दोस्तों के साथ खेलना अच्छा लगता है।"

मैडी कहती है– "मुझे मेरा खरगोश और मेरे टेडी बियर पसंद हैं। मुझे जन्मदिन की पार्टियाँ और आइसक्रीम पसंद है! मुझे आँख-मिचौली खेलना अच्छा लगता है—अगर बहुत अंधेरा न हो, और मुझे मेरा भाई भी पसंद है।"

निक कहता है—"मुझे अपनी बहन, माँ और पिता भी पसंद हैं। मुझे अच्छे से कंबल ओढ़कर सोना और सोने से पहले कहानी सुनना भी अच्छा लगता है।"

मैडी और निक मिलकर उन सभी चीज़ों के बारे में सोचते रहते हैं जो उन्हें "हाँ" कहने पर मजबूर करती हैं। सोचते-समझते, आखिरकार वे गहरी नींद में सो जाते हैं।







अगली सुबह, निक अपने पैरों को महसूस करता है। वह कंबल हटाता है, बिस्तर से कूदकर बाहर आता है और खुशी से चिल्लाता है—"मैडी, मैं फिर से पूरा बच्चा बन गया हूँ!"

और मैडी भी फिर से पूरी तरह बच्ची बन जाती है। मैडी कपड़े पहनती है, अपने उलझे हुए बालों को संवारती है और उनमें एक रिबन लगाती है। निक अपने गंदे हरे दाँत अच्छे से ब्रश करता है।







दोनों नीचे जाते हैं और कहते हैं—"हम अब जंगली नहीं रहे! हम फिर से पूरे बच्चे बन गए हैं!" माँ और पिता बहुत खुश होते हैं। पिता उनके लिए उनकी पसंदीदा सेब के पैनकेक बनाते हैं। निक बिना कहे ही अपने दूध की मूंछ साफ कर लेता है। मैडी की कोहनियाँ अब मेज़ पर नहीं टिकतीं। माँ और पिता अपने जूस के गिलास उठाकर कहते हैं—"हमारे प्यारे बच्चों के लिए! हम तुम्हें बहुत प्यार करते हैं!"